यू.जी.सी अनुदान प्राप्त राज्य-स्तरीय हिंदी कार्यशाला:
एक रिपोर्ट

17 फरवरी 2017 को हिंदी विभाग, ख्रीष्ट महाविद्यालय, कटक के तत्वावधान में इसके परिसर हॉल में "राजभाषा हिंदी: प्रयोग और दिशाएँ" पर यू.जी.सी. अनुदान प्राप्त राज्य-स्तरीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कार्यशाला की अध्यक्षता, महाविद्यालय के उपाध्यक्ष प्रो० डॉ. दोलगोविंद मिश्रजी ने की। हिंदी के इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में सहयोगी प्रोफेसर, डॉ. गुलाम मोइनुद्दीन खान, विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, बी.जे.बी. (स्वायत्तशासित) महाविद्यालय, भुवनेश्वर तथा मुख्य वक्ता के रूप में सहयोगी प्रोफेसर डॉ. अंजुमन आराजी, रेवेंशा विश्वविद्यालय, कटक आमंत्रित थे। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथिओं के करकमलों से दीपक प्रज्ज्वलन के साथ हुआ एवं विभागीय छात्र तथा छात्राओं के स्वागत संगीत के साथ कार्यक्रम आगे बढ़ा। उपाध्यक्ष प्रो० मिश्रजी के स्वागत संभाषण के बाद, विभागाध्यक्षा सुश्री कविता जेनाजी ने अतिथिओं का परिचय प्रदान करती हुई आलोच्य विषय वस्तु का भी संक्षिप्त परिचय प्रदान किया। राजभाषा हिंदी के विभिन्न प्रयोग के विभिन्न क्षेत्रों एवं दिशाओं पर मुख्य अतिथि प्रो० खानजी का सारगर्भित वक्तव्य सभी को आकृष्ट किया। मुख्य वक्ता प्रो० आराजी ने मीडिया की भाषा के रूप में हिंदी की उपयोगिता एवं व्यावहारिकता के ऊपर अपना वक्तव्य रखते हुए सभी को जनसंचार की बदलती माहौल में कंप्यूटर का प्रशिक्षण लेने की जरूरत पर जोर दिया।

आलोच्य विषय पर हिंदी सम्मान के विद्यार्थियों ने भी अपना आलेख प्रस्तुत किये। इनमें सर्वश्री श्री आकाश म/पट्टनायक, +3 प्रथम वार्षिक छात्र, "हिंदी भाषा और उसके

P.T.O.

विविध रूप" पर, "राजभाषा हिंदी: संवैधानिक प्रावधान" पर कुमारी ~~आ~~ आकांक्षी नायक, +3 प्रथम वार्षिक छात्रा, "मीडिया की भाषा और हिंदी" शीर्षक पर चिन्मय महांती, +3 द्वितीय वार्षिक छात्र तथा "हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली" पर कुमारी नाहीद फिरदौस, +3 द्वितीय वार्षिक छात्रा आदि ने उपयोगी आलेख पाठ प्रस्तुत किये। तत्पश्चात् इस विषय पर एक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कुल कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी को विभाग की ओर से प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। प्रस्तुत कार्यशाला में विभिन्न क्षेत्रों में कृती विद्यार्थियों को उनके बहुआयामी प्रतिभा के लिए पुरस्कृत भी किया गया।

प्रस्तुत कार्यशाला में दूसरे महाविद्यालय के साथ-साथ हमारे महाविद्यालय के विभिन्न विभाग के बहुत से प्राध्यापक और प्राध्यापिकाएँ उपस्थित थे। अंत में प्राध्यापिका डॉ. रुकिया रुखसाना जी के धन्यवाद भाषण के साथ सभा की समाप्ति की घोषणा हुई।

-o-

कविता जेना
विभागाध्यक्षा, हिंदी विभाग
ख्रीष्ट महाविद्यालय, कटक